University in News on 14 June 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कर्तव्यों का पालन हमें ले जाता है संभावनाओं के पथ पर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित दो दिवसीय चौथे डॉ. आरयू सिंह मेमोरियल नेशनल लेवल वर्चुअल लिटरेरी इवेंट का रविवार को समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश मनीष कुमार थे। उन्होंने कहा ऋग्वेद के अनुसार यदि हम सभी अपने कर्तव्यों का सावधानीपूर्वक पालन करते हैं तो हम निश्चित रूप से संभावनाओं के पथ पर हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता सुदीप सेठ ने कहा कि यदि निर्मित प्रारूपण को सरकारी विभागों के वर्ग के बजाय अपने इनपुट देने वाले प्रतिष्ठित वकीलों और न्यायाधीशों के एक पैनल को सौंपा जाए, तो अधिकांश कानून का मसौदा एक बार में तैयार किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने मूट कोर्ट जैसी प्रतियोगिताओं के लाभों के बारे में प्रतिभागियों को बताया।

लविवि में डॉ. आरयू सिंह मेमोरियल वर्चुअल लिटरेरी इवेंट का समापन

विजेताओं के नामों की घोषणा

डीन लॉ प्रो. सीपी सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया। आयोजक सचिव प्रो. हरीश चन्द्र व प्रो. मो. अहमद ने इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की। इसमें सिटी लॉ कॉलेज की दीक्षा श्रीवास्तव और अवंतिका गुप्ता लीगल क्विज की विजेता रहीं। यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान के हर्षिता थोलिया और मानिक तिंद्वानी आर्टिकल लेखन प्रतियोगिता के विजेता रहे। केकेसी के रतनाम खरे और उनकी टीम सामाजिक कानूनी फिल्म निर्माण प्रतियोगिता के विजेता रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सूर्यमणि, रॉय कुमार, अपराजिता बंसल, छात्र समन्वयक सक्षम अग्रवाल प्रचेता शुक्ला, सिराची गुप्ता, अनामिका गौतम, वगीशा पटेल, खुशबू गुप्ता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

i-NEXT PAGE 4

घर पर भी भेजी जाएंगी छात्रों की डिग्रियां

कुलाधिपति के आदेश पर लखनऊ विश्वविद्यालय ने कालेजों को भेजे निर्देश

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(13 JUNE): लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं की डिग्रियां अब उनके घर पर भी भेजी जाएंगी. इसके वितरण में किसी भी तरह की लेटलतीफी नहीं चलेगी. कुलाधिपति के आदेश पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने सभी महाविद्यालयों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं.

न हो कोई देरी

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं की डिग्रियां डीन आफिस से दी जाती हैं. जबकि कालेजों में पढ़ने वाले छात्रों की डिग्रियां वहीं भेज दी जाती हैं. अब कालेजों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी छात्रों को दी जाने वाली डिग्री का वितरण दीक्षांत के बाद बिना किसी विलंब के कर दिया जाए.

पूरा पता भरना अनिवार्य

कालेजों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रवेश एवं परीक्षा के आवेदन के समय अनिवार्य रूप से उपाधि आदि प्रपत्र उपलब्ध कराने के लिए छात्र का स्थायी पता अनिवार्य रूप से लें. इसमें नाम, मकान नंबर, मोहल्ला, गांव, कस्बा, विकास खंड, थाना, तहसील, जनपद, प्रदेश और पिन आदि देना होगा.

PIONEER PAGE 4

कालेजों के छात्रों की घर-घर डिग्रियां भेजेगा एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की पहल पर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब सम्बद्ध कालेजो छात्र छात्राओं की डिग्रियां उनके घर के पते पर भेजने का निर्णय लिया है। इस बाबत विवि की तरफ से कालेजों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विवि परीक्षा नियंत्रक प्रोण् एएम सक्सेना ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय परिसर के छात्र छात्राओं की डिग्रियां डीन आफिस से दी जाती हैं, जबकि कालेजों में पढ़ने वाले छात्रों की डिग्रियां वहीं भेज दी जाती हैं। वहीं से वितरण भी करने की व्यवस्था है। अब कालेजों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी छात्रों को दी जाने वाली डिग्री का वितरण दीक्षांत के बाद बिना किसी विलंब के भेज दिया जाए। महाविद्यालयों में पिछले वर्ष की जो भी डिग्रियां विश्वविद्यालय की ओर से दी गई हैंए उन्हें छात्रों के स्थायी पतें पर डाक के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कालेजों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रवेश एवं परीक्षा के आवेदन के समय अनिवार्य रूप से उपाधि आदि प्रपत्र उपलब्ध कराने के लिए छात्र का स्थायी पता अनिवार्य रूप से लें। इसमें नाम, मकान नंबर, मोहल्ला, गांव, कस्बा, विकास खंड, थाना, तहसील, जनपद, प्रदेश और पिन कोड आदि देना होगा।

JAGRAN CITY PAGE I

लविवि : अब तीन नए कोर्स में शुरू होगी पीएचडी

जागरण संवाददाता लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी सेंटर में संचालित तीन नए कोर्स में अब पीएचडी की पढ़ाई की जा सकेगी। इनमें एजेपी अब्दुल कलाम सेंटर आफ इनोवेशन, एडवांस मॉलिक्युलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स एंड इंफैक्टियस डिजीज और फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलाजी शामिल है।

दो दिन पहले हुई ओएनजीसी सेंटर की गर्वनिंग बोर्ड की बैठक में इस पर सहमति बन गई है। ओएनजीसी सेंटर के डायरेक्टर प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि अभी तक इन कोर्सों में एमएससी की पढ़ाई होती है। अब एमएससी के बाद छात्रों को पीएचडी करने का मौका मिलेगा। प्रत्येक में पांच-पांच सीटें तय होंगी। इन तीनों कोर्सों में सिर्फ रेगुलर टीचर ही पीएचडी करा सकेंगे।

शैक्षिक सत्र 2022-23 में इसके दाखिले भी प्रवेश परीक्षा एवं इंटरव्यू के माध्यम से लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पीएचडी छात्रों को स्कालरशिप देने पर भी विचार किया गया है। गरीब छात्रों को लाभ होगा। वे लोग समय पर अपनी शिक्षा पूरी कर सकेंगे।

अब घर भेजी जाएंगी डिग्रियां

लखनऊ विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं की डिग्रियां अब उनके घर पर भी भेजी जाएंगी। इसके वितरण में किसी भी तरह की लेटलतीफी नहीं चलेगी। कुलाधिपति के आदेश पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने सभी महाविद्यालयों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं की डिग्रियां डीन आफिस से दी जाती हैं। अब कालेजों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी छात्रों को दी जाने वाली डिग्री का वितरण दीक्षांत के बाद बिना किसी विलंब के कर दिया जाए।

कालेजों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रवेश एवं परीक्षा के आवेदन के समय अनिवार्य रूप से उपाधि आदि प्रपत्र उपलब्ध कराने के लिए छात्र का स्थायी पता अनिवार्य रूप से लें। इसमें नाम, मकान नंबर, मोहल्ला, गांव, कस्बा, विकास खंड, थाना, तहसील, जनपद, प्रदेश और पिन आदि देना होगा।

HINDUSTAN PAGE 4

लविवि: कर्तव्य पालन की नसीहत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से दो दिवसीय डॉ आर यू सिंह मेमोरियल नेशनल लेवल वर्चुअल लिट्रेरी इवेंट 2021 का समापन रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश मनीष कुमार मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि ऋग्वेद के अनुसार यदि हम सभी कर्तव्यों का सावधानीपूर्वक पालन करते हैं तो हम निश्चित रूप से संभावनाओं के पथ पर हैं।

ये बने विजेताः लीगल क्विज के विजेता दीक्षा श्रीवास्तव और अवंतिका गुप्ता (सिटी लॉ कॉलेज), आर्टिकल लेखन प्रतियोगिता के विजेता हर्षिता थोलिया और मानिक तिंद्वानी (एफ. वाय. एल. सी. यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान) आदि रहे।

TOI PAGE 2

LU to mould UG courses around NEP

Drafts Being Readied For Sept Rollout

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has initiated the process of finalizing the structure of the four-year undergraduate programme as conceptualised in the New Education Policy (NEP) 2020.

Deans of all faculties, student welfare, recruitment and heads of some departments are preparing the draft of the four-year UG courses which will be implemented in all streams – arts, commerce and science – from the next academic session which begins in September. LU has already modified its postgraduate courses as per the NEP.

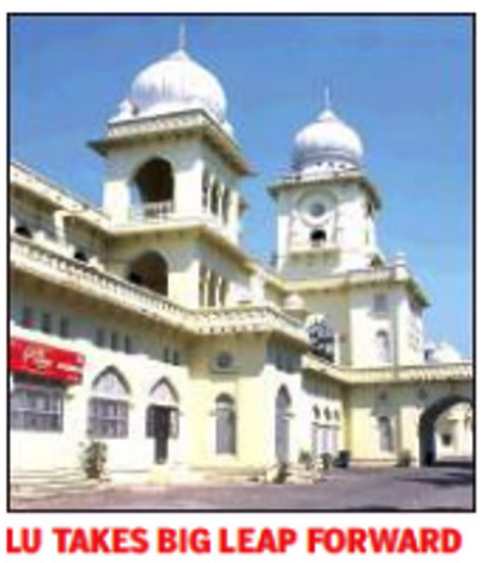

LU TAKES BIG LEAP FORWARD

The new programme will be applicable not just in Lucknow University, but over 500 of its associated colleges, and will impact over 2 lakh students.

Like the postgraduate courses, UG courses will be multi-disciplinary, allowing students of one stream to choose some subjects of another stream as a paper during the course.

Besides theoretical and practical knowledge, vocational skills will also be imparted. There will also be the mandatory provision of internship.

The course will have multiple entry and exit options for students. This means students can the exit the course whenever they like and enter again as per their convenience. A student completing a year will get a certificate, an advanced diploma after two years, a bachelor degree after three years, and a bachelor with research degree after four years

As per the plan, the four-year UG course comprising eight semesters will be of 192 credits. Each semester will be of 24 credits.

According to the University Grants Commission, a credit is 15 hours of theoretical and 30 hours of practical teaching. A credit is a unit by which the course work is measured. It determines the number of hours of instructions required per week.

The content of the course will be decided later because at present there is dispute over implementation of the common minimum syllabus proposed by the state government.

Lucknow University vice-chancellor Prof A K Rai said, "The entry and exit option will give students autonomy in planning their careers. For example, due to some unforeseen life event or financial or family problems, students, at times, have to drop out. However, under the new system, students will be able to continue studies despite a break. Students can also use the break for other activities like acquiring skills or to gain work experience."